कन्या आवासीय विद्यालय को आईआईटी से जोड़ें

बोले मुख्यमंत्री

- नौवीं से 12वीं तक की छात्राओं को जोड़ने का निर्देश दिया
- मेडिकल, इंजीनियरिंग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करायी जाएगी

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने निर्देश दिया है कि अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय प्लस टू विद्यालय में पढ़ रही कक्षा नौवीं से 12वीं तक की छात्राओं को मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए आईआईटी, पटना से जोड़ें।

मैट्रिक और इंटर के टॉपर विद्यार्थियों का परीक्षाफल घोषित होने के तुरंत बाद ही उन्हें सम्मानित करें। बीपीएससी और यूपीएससी में बिहार के सफल अभ्यर्थियों का अभिभावकों के साथ सामूहिक तौर पर सम्मानित किया जाये, जिससे यहां के बच्चे प्रेरित हो सकें।

पटना में लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में मंगलवार को विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की उच्चस्तरीय बैठक करते मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी। साथ में विभागीय मंत्री शीला मंडल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह व अन्य।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को लोक सेवक आवास में पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा की और कई निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि 10वीं परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उतीर्ण छात्र-छात्राओं को जो 10 हजार रुपये की राशि दी जाती है, उसे शीघ्र भुगतान करना सुनिश्चित करें। राज्य विद्यालयों/छात्रावासों में नामांकित छात्र/छात्राओं या उनके अभिभावकों को किसी प्रकार की असुविधा या सुझाव देने के लिए ऑनलाइन पोर्टल बनायें। राज्य सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक प्रगति के लिए कई योजनायें चलाई जा रही हैं। बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव के सेंथिल कुमार ने विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं, उपलब्धियों व भावी कार्य योजना के संबंध में जानकारी दी। बैठक में विभागीय मंत्री रमा निषाद और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार आदि उपस्थित थे।

आम, शहद और केला का उत्पादन बढ़ाने पर काम होगा : सम्राट चौधरी

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि बिहार कृषि स्टार्टअप नीति के तहत नवाचार एवं कृषि टेक को बढ़ावा दें। राज्य में फसलों का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ी है। आम, शहद, केला के उत्पादन को और बढ़ाने के लिए तेजी से काम करें। इन फसलों की खेती को प्रोत्साहित कर किसानों की आय बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करें। कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण एवं बाजार की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि किसानों को उसका लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने मंगलवार लोक सेवक आवास में कृषि विभाग की समीक्षा की और पदाधिकारियों को कई निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम स्तर तक कृषि विस्तार सेवाओं को सुदृढ़ करें। किसानों को समय पर तकनीकी मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराते रहें। जिन जिलों में विशेष फसलों की संभावनाएं हैं, वहाँ क्लस्टर आधारित विकास की रणनीति अपनाई जाए।